दिनांक 12 मई 2020 को "लोकगीतों में सामाजिक यथार्थ" विषय पर हिन्दी विभाग द्वारा डॉ. प्रोमिला के संयोजन में एक वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें हिन्दी के जानेमाने कवि, आलोचक डॉ. रामाज्ञा शशिधर (असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय) मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए. कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज सिन्हा ने अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस बी एन तिवारी ने किया.
इस वेबीनार में डॉ. शशिधर ने विस्तार से लोकगीतों के विविध पक्षों पर चर्चा की और छात्र-छात्राओं के प्रश्नों का विस्तार से जवाब दिया. उन्होंने कहा कि लोकगीतों में न सिर्फ कृषि संस्कृति और संस्कारों का चित्रण है बल्कि औपनिवेशिक दौर में प्रतिरोध का स्वर भी सुनाई पड़ता है। लोकगीतों से जुड़ने का अर्थ है अपनी धरती, पर्यावरण और सामाजिक रीति नीति से जुड़ना। उन्होंने इस बात की तारीफ की कि दिल्ली विश्वविद्यालय में लोक साहित्य एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। इस बहाने छात्र अपनी जड़ों से जुड़ने का प्रयास करेंगे। इस वेबिनार में छात्र-छात्राओं के आलावा महाविद्यालय के अनेक अध्यापकों ने भी हिस्सा लिया.

Sudhanshu tiwari
Rashmi Tyagi
Ramagya Shashi...
Dhirendra Bahad...
Dr. Manju Sh...

sudhanshu tiwari
9868
Himanshu verma
Rashmi Tyagi
Dhirendra Bahad...